INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

HPSC – HCS

(HARYANA PUBLIC SERVICE COMMISSION)

PRELIMS AND MAINS EXAM

Part – 7

General Hindi and English + DI

PREFACE

Dear Aspirants, Presented Notes "**HPSC - CSE (PRE + MAINS)**" have been prepared by a team of teachers, colleagues and toppers who are expert in various subjects. These notes will help the Aspirants to the fullest extent possible in the examination of Haryana Civil Services conducted by the "**HARYANA PUBLIC SERVICE COMMISSION (HPSC).**"

Finally, despite careful efforts, there may be chances of some shortcomings and errors in the notes / So your suggestions are cordially invited in Infusion notes.

Publisher:-

INFUSION NOTES

Jaipur, 302029 (RAJASTHAN)

Mob. : 9887809083

Email : contact@infusionnotes.com

Website: http://www.infusionnotes.com

WhatsApp Link- https://wa.link/dx3m7n

Online Order Link - https://shorturl.at/XiCHA

PRICE -	EDITION - LATEST

सामान्य हिन्दी		
क्र.स.	अध्याय	पेज
1.	संधि एवं संधि विच्छेद	1
2	उपसर्ग	14
3	प्रत्यय	18
4	पर्यायवाची शब्द	26
5	विलोम शब्द	31
6	समश्रुत भिन्नार्गक शब्द	40
7	वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द	48
8	शब्द-शुद्धि	56
9	वाक्य-शुद्धि	61
10	मुहावरे	67
11	कहावत / लोकोक्ति	73
12	पारिभाषिक शब्दावली	78
13	संक्षिप्तीकरण	93
14	पल्लवन	96
15	पत्र–लेखन एवं प्रारूप लेखन	98
16	निबंध लेखन	114

General English		
S.N.	Chapter name	Page
1	Article and Determiners	121
2	Prepositions	134
3	Tenses and sequence of Tense	155
4	Modals	170
5	Voice - Active and passive	175
6	Narration - Direct & Indirect	182
7	Synonyms / Antonyms	187
8	Phrasal Verbs & Idioms	199
9	One Word Substitute	203
10	Words often Confused or Misused	209
11	Comprehension of Unseen Passage	211
12	Translation	223
13	Precis writing	229
14	Paragraph Writing	233
15	Elaboration of a given theme	237
16	Letter writing or Report writing	239

1.	Statistical Analysis, Diagrams, and Graphs ○ Data Interpretation ○ Bar Graph ○ Line graph ○ PIE CHARTS ○ Mixed DI ○ Airthmetic DI ○ Partnership ○ Caselete DI	247

अध्याय – 1

संधि एवं संधि विच्छेद

परिभाषा :- दो वर्णों के परस्पर मेल से उच्चारण और लेखन में जो परिवर्तन होता है उसे संधि कहते है अर्थात् प्रथम शब्द का अंतिम वर्ण और दुसरे का प्रथम वर्ण मिलकर उच्चारण और लेखन में जो परिवर्तन करते हैं। उसे संधि कहते हैं।

संधि – 1.आदेश :- किसी वर्ण के स्थान पर कोई दुसरा वर्ण आ जाये तो ,

जगत्+ईश = जगदीश

वाक्+ईश = वागीश

2. आगम – अनु+छेद = अनुच्छेद (च)

3. लोप – अतः+एव = अतएव

4. प्रकृतिभाव - मनः+कामना = मनःकामना

संयोग – प्रथम शब्द का अंतिम वर्ण और दुसरे शब्द का प्रथम वर्ण मिलकर उच्चारण और लेखन में कोई परिवर्तन नहीं कर पाए तो उसे संयोग कहते हैं।

उदाहरण : - युग + बोध = युगबोध

संधि के भेद – संधि के तीन भेद होते हैं

स्वर संधि　　व्यंजन संधि　　विसर्ग संधि

स्वर संधि – दो स्वरों के परस्पर मेल को संधि कहते हैं।

स्वर संधि पाँच प्रकार की होती है :-

1.दीर्घ स्वर संधि
2.गुण स्वर संधि
3.वृद्धि स्वर संधि
4.यण् स्वर संधि
5. अयादि स्वर संधि

हिंदी में अ, आ, इ, ई , उ , ऊ , ए , ऐ , ओ , औ, ऋ, कुल 11 स्वर होते हैं।

1. **दीर्घ स्वर संधि** - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर (अ , इ , उ) के बाद समान ह्रस्व (अ , इ , उ) या दीर्घ स्वर आये तो दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।

उदा. अ/आ +अ/आ = आ
इ/ई + इ/ई = ई
उ/ऊ + उ /ऊ = ऊ

(1) अ +अ =आ

अंत्य + अक्षरी = अंत्याक्षरी
अंध + अनुगामी = अंधानुगामी
अधिक + अंश = अधिकांश
अधिक + अधिक = अधिकाधिक
अस्त + अचल = अस्ताचल
आग्नेय + अस्त्र = आग्नेयास्त्र
उत्तर + अधिकार = उत्तराधिकार
उदय + अचल = उदयाचल
उप + अध्याय = उपाध्याय
उर्ध्व + अधर = उर्ध्वधर
ऊह + अपोह = ऊहापोह
काम + अयनी = कामायनी
गत + अनुगतिक = गतानुगतिक
गीत + अंजलि = गीतांजलि
छिद्र + अन्वेषी = छिद्रान्वेषी
जठर + अग्नि = जठराग्नि
जन + अर्दन = जनार्दन
तथ्य + अन्वेषण= तथ्यान्वेषण
तीर्थ + अटन = तीर्थाटन
दाव + अनल = दावानल
दीप + अवली = दीपावली
दाव + अग्नि = दावाग्नि
देश + अंतर = देशांतर
न्यून + अधिक = न्यूनाधिक
पद + अवनत = पदावनत
पर + अधीन = पराधीन
प्र + अंगन = प्रांगण
प्र + अर्थी = प्रार्थी
भग्न + अवशेष = भग्नावशेष

अ + आ = आ

आम + आशय = आमाशय
गर्भ + आधान = गर्भाधान
अन्य + आश्रित = अन्याश्रित
गर्भ + आशय = गर्भाशय
आर्य + आवर्त = आर्यावर्त
फल + आहार = फलाहार
कंटक + आकीर्ण = कंटकाकीर्ण
छात्र +आवास = छात्रावास

कुश + आसन = कुशासन

जन + आकीर्ण = जनाकीर्ण

खग + आश्रय = खगाश्रय

जना +देश =जनादेश

गमन + आगमन = गमनागमन

भय + आक्रान्त = भयाक्रांत

भय + आनक = भयानक

पित्त + आशय = पित्ताशय

धर्म + आत्मा = धर्मात्मा

भ्रष्ट + आचार = भ्रष्टाचार

मेघ + आलय = मेघालय

लोक + आयुक्त = लोकायुक्त

विरह + आतुर = विरहातुर

विवाद + आस्पद = विवादास्पद

शत + आयु = शतायु

शाक + आहारी = शाकाहारी

शोक + आतुर = शोकातुर

सत्य + आग्रह = सत्याग्रह

सिंह + आसन = सिंहासन

स्थान + आपन्न = स्थानापन्न

हिम + आलय = हिमालय

जल + आशय = जलाशय

पंच + आयत = पंचायत

आ + अ = आ

क्रिया + अन्वयन = क्रियान्वयन

मुक्ता + अवली = मुक्तावली

तथा + अपि = तथापि

रचना + अवली = रचनावली

दीक्षा + अंत = दीक्षांत

विद्या + अर्जन = विद्यार्जन

द्राक्षा + अरिष्ट = द्राक्षारिष्ट

श्रद्धा + अंजलि = श्रद्धांजलि

द्राक्षा + अवलेह = द्रक्षावलेह

सुधा + अंशु = सुधांशु

निशा + अंत = निशांत

द्वारका + अधीश = द्वारकाधीश

पुरा + अवशेष = पुरावशेष

महा + अमात्य = महामात्य

आ + आ = आ

कारा + आगार = कारागार

कारा + आवास = कारावास

कृपा + आकांशी = कृपाकांशी

क्रिया + आत्मक = क्रियात्मक

चिंता + आतुर = चिंतातुर

दया + आनंद = दयानंद

द्राक्षा + आसव = द्राक्षासव

निशा + आनन = निशानन

प्रेक्षा + आगार = प्रेक्षागार

प्रेरणा +आस्पद = प्रेरणास्पद

भाषा + आबद्ध = भाषाबद्ध

महा + आशय = महाशय

रचना + आत्मक = रचनात्मक

वार्ता + आलाप = वार्तालाप

श्रद्धा + आलु = श्रद्धालु

(2) इ / ई + इ /ई = ई

इ + इ = ई

अति + इत = अतीत

अति + इन्द्रिय = अतीन्द्रिय

अति + इव = अतीव

अधि + इन = अधीन

अभि + इष्ट =अभीष्ट

कवि + इंद्र = कविन्द्र

प्रति + इत = प्रतीत

प्राप्ति + इच्छा = प्राप्तीच्छा

मणि + इंद्र = मणीन्द्र

मुनि + इंद्र = मुनीन्द्र

रवि + इंद्र = रवीन्द्र

हरि + इच्छा = हरीच्छा

ई + इ = ई

फणी + इंद्र = फणीन्द्र

महती + इच्छा = महतीच्छा

मही + इंद्र = महींद्र

यती + इंद्र = यतीन्द्र

शची + इंद्र = सुधींद्र

ई + ई =ई

नदी + ईश्वर = नदीश्वर

नारी + ईश्वर = नारीश्वर

फणी + ईश्वर = फणीश्वर

ऋ+ अ = र

पितृ + अनुमति = पित्रनुमति

ऋ + आ = रा

पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा

पितृ + आदेश = पित्रादेश

मातृ + आनंद = मात्रान्नद

मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा

ऋ + इ = रि

पितृ + इच्छा = पित्रिच्छा

मातृ + उपयोगी = मात्रुपयोगी

ऋ + ए = रे

पितृ + एषणा = पित्रेषणा

मातृ + एषणा = मात्रेषणा

पुत्र + एषणा = पुत्रेषणा

5. अयादि स्वर संधि : -

ए / ऐ = अय् / आय्

ओ / औ = अव् / आव्

नियम : - यदि ए , ऐ , ओ ,औ के बाद कोई भी स्वर आए तो 'ए' के स्थान पर 'अय्' तथा 'ऐ' के स्थान पर 'अय्' तथा ओ के स्थान पर 'अव्' व 'औ' के स्थान पर 'आव्' हो जाता है ।

ए + असमान स्वर = आय् + अन्य स्वर

ए+ अ = अय

चे + अन = चयन

ने + अन = नयन

शे + अन = शयन

संचे + अ = संचय

ऐ + अ = आय

गै + अक = गायक

गै + अन = गायन

नै + अक = नायक

नै + इका = नायिका

दै + इनी = दायिनी

दै + अक = दायक

विनै + अक = विनायक

शै + अक = शायक

ओ + अ = आव

ओ + अ = अवि

ओ + इ = अवी

गो + अक्षि / अक्ष = गवाक्ष

गो + ईश = गवीश

गो + य = गव्य

पो + अन = पवन

भो + अन = भवन

हो + अन = हवन

औ + अ = आव

पौ + अन = पावन

भौ + अ = भाव

भौ + अक = भावक

भौ + अना = भावना

शौ + अक = शावक

औ + इ = आवि

शौ + अ=इक = शाविक

औ + उ = आवु

भौ + उक = भावुक

(2). व्यंजन संधि

व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन आने पर उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है उसे व्यंजन संधि कहतेहैं।

नियम : - यदि किसी अघोष व्यंजन(वर्ग का पहला व दूसरा वर्ण) के बाद कोई घोष व्यंजन (वर्ग का तीसरा , चौथा , पांचवा , वर्ण तथा य ,र, ल,व ,ह (अंतःस्थ वर्ण) या कोई स्वर आये तो वर्ग का पहला वर्ण , तीसरे वर्ण में बदल जाता है ।

जैसे : -

क्		-	ग्
च्		-	ज्
ट्	+ घोष वर्ण	-	ड्
त्		-	द
प्		-	ब

षट् + आनन = षडानन

षट् + दर्शन = षड्यंत्र

उदाहरण :-

दिक् + अम्बर = दिगंबर

दिक् + अंत = दिगंत

दृक + अंचल = दृग्गचल

वाक् + ईश = वागीश

प्राक् + ऐतिहासिक = प्रागैतिहासिक

दिक् +गज = दिग्गज

दिक् + ज्ञान = दिग्ज्ञान

वाक् + जाल = वाग्जाल

वाक् + दत्ता = वाग्दत्ता

(2) दुस् / निस् + (च , छ , श) = दुस् / निस् के बाद च , छ , श वर्ण आने पर 'श' का आगमन हो जाता है |

उदाहरण – दुस् + चरित्र = दुश्चरित्र

दुस् + शासन = दुश्शासन

दुस् + शील = दुश्शील

निस् + चय = निश्चय

निस् + चल = निश्चल

निस् + चिंत = निश्चिन्त

निस् + चित् = निश्चित्

निस् + छल = निश्छल

निस् + शत्रु = निश्शत्रु

(3) दुस् / निस् के बाद यदि प / फ वर्ण आने के बाद 'ष' का आगमन हो जाता है |

उदाहरण – दुस् + परिणाम = दुष्परिणाम

दुस् + पाच्य = दुष्पाच्य

दुस् + प्रचार = दुष्प्रचार

दुस् + प्रहार = दुष्प्रहार

निस् + फल = निष्फल

दुस् + पंक = निष्पंक

निस् + पक्ष = निष्पक्ष

निस् + पति = निष्पति

निस् + प्राण = निष्प्राण

निस् + पन्न = निष्पन्न

निस् + पलक = निष्पलक

निस् + पादन = निष्पादन

निस् + पाप = निष्पाप

निस् + प्रथ = निष्प्रथ

(3). विसर्ग संधि

परिभाषा : – विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है विसर्ग संधि कहतें हैं।

जैसे – निः + आहार = निराहार

मनः + हर = मनोहर

नियम (I) :- यदि विसर्ग से पहले 'अ' हो तथा विसर्ग के बाद किसी भी तीसरा , चौथा , पाँचवा वर्ण (घोष वर्ण) अंतःस्थ वर्ण या ऊष्म वर्ण आए तो 'अ' और विसर्ग(:)दोनों का 'ओ' हो जाता है |

उदाहरण –

अन्यः + अन्य = अन्योन्य

परः + अक्ष = परोक्ष

मनः + अनुकूल = मनोनुकूल

मनः + अनुभूति = मनोनुभूति

मनः + अनुसार = मनोनुसार

मनः + अभिलाषा = मनोभिलाषा

यशः + अभिलाषा = यशोभिलाषा

अधः + गति = अधोगति

अधः + भाग = अधोभाग

अधः + मुखी = अधोमुखी

अधः + वस्त्र = अधोवस्त्र

मनः + योग = मनोयोग

मनः + रंजन = मनोरंजन

मनः + विकार = मनोविकार

मनः + व्यथा = मनोव्यथा

मनः + विज्ञान = मनोविज्ञान

अंततः + गत्वा = अंततोगत्वा

अधः + भूमि = अधोभूमि

तपः + बल = तपोबल

तपः + भूमि = तपोभूमि

तपः + वन = तपोवन

तिरः +धान = तिरोधान

तिरः + भूत = तिरोभूत

तिरः + हित = तिरोहित

पयः + ज = पयोज

पयः + द = पयोद

पयः + धर = पयोधर

पयः + धि = पयोधि

पयः + निधि = पयोनिधि

पुरः + गामी = पुरोगामी

पुरः + हित = पुरोहित

मनः + ज = मनोज

मनः + दशा = मनोदशा

मनः + धारा = मनोधारा

मनः + बल = मनोबल

मनः + भाव = मनोभाव

मनः + मंथन = मनोमंथन

मनः + रथ = मनोरथ

मनः + रम = मनोरम

शिरः + धार्य = शिरोधार्य

शिरः + भाग = शिरोभाग

नियम (2) :- यदि विसर्ग(:) से पहले 'अ' को छोड़कर अन्य कोई स्वर तथा विसर्ग के बाद किसी भी वर्ग का

अध्याय – 3

प्रत्यय

परिभाषा:-

वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत मे लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उन्हे प्रत्यय कहते है। शब्दों में प्रत्यय लगाकर उसी शब्द से विभिन्न अर्थों को प्राप्त किया जा सकता है।

प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं, जिनका कोई स्वतंत्र अर्थ नहीं होता। वे जिस शब्द के साथ जुड़ते हैं, उसके अर्थ को प्रभावित करते हैं।

प्रत्यय में संधि नियम लागू नहीं होता है।

हिन्दी में प्रत्यय दो प्रकार के होते है-

1. **तद्धित प्रत्यय**
2. **कृत / कृदंत प्रत्यय**

1. तद्धित प्रत्यय – जो प्रत्यय क्रिया के धातु – रूपों को छोड़कर अन्य शब्दों जैसे – संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम आदि के साथ लगकर नये शब्द का निर्माण करते हैं, उन्हे तद्धित प्रत्यय कहते हैं तथा इनसे बने शब्दों को 'तद्धितान्त' कहते हैं ।

जैसे – बंगाल + ई = बंगाली

यहाँ 'ई' तद्धित प्रत्यय है क्योंकि यह बंगाल नामक संज्ञा के साथ मिलकर नया शब्द 'बंगाली' बना रहा है।

तद्धित प्रत्यय 6 प्रकार के होते हैं।

1. कर्तावाचक तद्धित प्रत्यय
2. भाववाचक तद्धित प्रत्यय
3. संबंध वाचक तद्धित प्रत्यय
4. अप्रत्यय वाचक/संतान बोधक तद्धित प्रत्यय
5. ऊनतावचक / हीनता / लघुता वाचक तद्धित प्रत्यय
6. स्त्रीबोधक तद्धित प्रत्यय

1) कर्तावाचक तद्धित प्रत्यय – वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्द के अंत मे जुड़कर कर्तावाचक शब्द का निर्माण करते है, कर्तावाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते है।

प्रत्यय	मूल शब्द	तद्धितान्त
आरी	पूजा भीख	पुजारी भिखारी
एरा	घास बास ठाठ	घसेरा बसेरा ठठेरा
आरा	बनिज हत्या	बंजारा हत्यारा
आर	लोहा सोना चाम गाँव	लुहार सुनार चमार गंवार
इया	रस दुख छल	रसिया दुखिया छलिया
ई	भेद तेल	भेदी तेली
ची	नकल खजाना तोप	नकलची खजानची तोपची
दानी	पीक मच्छर	पीकदानी मच्छरदानी
दान	खान पीक	खानदान पीकदान
वान/बान	कोच गुण मेज धन	कोचवान गुणवान मेजबान धनवान
कार	संगीत पेश	संगीतकार पेशकार
वाला	काम फल दूध	कामवाला फलवाला दूधवाला
एडी	नशा गाँजा	नशेड़ी गंजेड़ी
ऊ	पेट नाक	पेटू नक्कू
हारा	लकड़ पानी	लकड़हारा पनिहारा
हेत	दंगा बरछा	दंगैत बरछैत

2) भाववाचक तद्धित प्रत्यय – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के अंत मे जुड़कर भाववाचक संज्ञा का निर्माण करते हैं, भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं ।

प्रत्यय	मूल शब्द	तद्धितान्त
आई	बुरा साफ ठाकुर पंडित	बुराई सफाई ठकुराई पंडिताई

आन	नीचा लंबा घमास	नीचान लंबान घमासान
आ	सर्राफ जोड़	सर्राफा जोड़ा
ई	दलाल सर्द किसान महाजन गृहस्थ चोर	दलाली सर्दी किसानी महाजनी गृहस्थी चोरी
इकी	मानव संस्था	मानविकी संस्थिकी
अक	बंध चिकित्सा लच ठंड	बंधक चिकित्सक लचक ठंडक
आवा	चढ़ा बुला दिखा छल	चढ़ावा बुलावा दिखावा छलावा
गी	हकबार जिंदा सादा मर्दानि	हकबारगी जिंदगी सादगी मर्दानगी
ता	सुंदर मित्र लघु	सुंदरता मित्रता लघुता
त	रंग चाह	रंगत चाहत
नी	नथ चाँद	नथनी चाँदनी
पन	बाल भोला बांझ छोटा	बालपन भोलापन बांझपन छुटपन
कार	झन जय धिक	झंकार जयकार धिक्कार

आपा	मोटा बूढ़ा	मोटापा बुढ़ापा

3) <u>संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय</u> -

वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के अंत मे जुड़कर संबंध के अर्थ का बोध कराते हैं, 'संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

<u>प्रत्यय</u>	<u>मूल शब्द</u>	तद्धितान्त
एरा	चाचा काका मामा मोसा	चचेरा ककेरा ममेरा मौसेरा
आला	पानी शिव	पनाला शिवाला
आल	नानी ससुर	ननिहाल ससुराल
जा	भती भान	भतीजा भानजा
आ	प्यास भूख ठंड्	प्यासा भूखा ठंडा
आलू	दया कृपा	दयालु कृपालु
इक	व्यवहार व्यवसाय परिश्रम समूह कल्पना	व्यावहारिक व्यावसायिक पारिश्रमिक सामूहिक काल्पनिक
मान	शक्ति शोभा बुद्धि	शक्तिमान शोभायमान बुद्धिमान
कीय	राज नाभ	राजकीय नाभिकीय
शाली	गौरव प्रतिभा शक्ति	गौरवशाली प्रतिभाशाली शक्तिशाली

4) <u>अप्रत्यय वाचक (संतान वाचक) तद्धित प्रत्यय</u> – वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा के अंत में जुड़कर उत्पन्न होने अर्थात संतान के अर्थ का बोध कराते हैं, संतान बोधक/अप्रत्यय वाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संत - संन्यासी, साधु, फकीर, सज्जन

संसार - जरा, जगत, विश्व, धरा, पृथ्वी ।

सखा - मित्र, दोस्त, साथी, इष्ट ।

सदन - घर, निकेतन, गृह, भवन ।

समुद्र - जलधि, सागर, सिन्धु, पयोधि, रत्नाकर, अर्णव, वारिधि ।

सरस्वती - शारदा, वीणापाणि, भारती, ब्राह्मी, वागीशा, महाश्वेता ।

सरोवर - तालाब, सर, तड़ाग, झील ।

सिंह - मृगराज, मृगपति, मृगेन्द्र, व्याघ्र, केसरी, नाहर, शेर ।

सुधा - अमृत ।

सुरेन्द्र - इन्द्र ।

सूर्य - भास्कर।

सेवक - अनुचर, दास, भृत्य, नौकर ।

सोना - कनक, सुवर्ण, कंचन, हेम ।

स्त्री - महिला, नारी, औरत, रमणी, कामिनी, वनिता, अंगना ।

स्मर - कामदेव, शिवरिपु, रतिप्रिय, रतिपति, कामचर, मदन ।

स्वर्ग - देवलोक, नाक, धौ, दिव।

हरि - विष्णु, केशव, धनंजय, मुकुन्द, गोविन्द ।

हस्ती - हाथी, गज, गजराज, कुंजर, मतंग ।

हिरन - कुरंग, मृग, सारंग, सुरभी ।

अध्याय – 5

विलोम शब्द

"अ"

अकाल	सुकाल
अगम	सुगम
अग्र	पश्च
अग्रज	अनुज
अघ	अनघ
अघोष	सघोष
अतिथि	आतिथेय
अतल	वितल
अथ	इति
अर्थ	अनर्थ
अनन्त	अन्त
अनुग्रह	दण्ड,कोप
अन्तर्द्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व
अनिवार्य	ऐच्छिक
अन्तरंग	बहिरंग
अनुकूल	प्रतिकूल
अनुराग	विराग
अनुरूप	प्रतिरूप
अनुलोम	प्रतिलोम
अधम	उत्तम
अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अनुरक्त	विरक्त
अल्पप्राण	महाप्राण
असीम	ससीम
अपकार	उपकार
अनाहूत	आहूत
अनुयायी	विरोधी

"आ"

आग्रह	दुराग्रह
आड़म्बर	सादगी
आच्छादित	अनाच्छादित
आचार	अनाचार
आलोक	अन्धकार
आक्रमण	प्रतिरक्षा
आकाश	पाताल

आगमन	प्रस्थान,निर्गमन
आतुर	निरातुर
आरम्भ	समापन
आवृत	अनावृत
आरूढ़	अनारूढ़
आमिष	निरामिष
आशीर्वाद	अभिशाप
आयात	निर्यात
आभ्यातर	बाह्य
आवर्तक	अनावर्तक

"इ"

इच्छा	अनिच्छा
इहलोक	परलोक
इति (समाप्ति)	अथ (प्रारम्भ)
अनिष्ट	इष्ट

"ई"

ईमानदार	बेईमान
ईश्वर	अनीश्वर

"उ"

उग्र	सौम्य
उत्तम	अधम
उदार	अनुदार
उपजाऊ	अनुपजाऊ
उपचार	अपचार
उपयुक्त	अनुपयुक्त
उत्थान	पतन
उन्मीलन	निमीलन
उन्नत	अवनत
उपकार	अपकार
उत्कर्ष	अपकर्ष
उन्नति	अवनति
उन्मूलन	स्थापन, रोपण
उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
उपत्यका	अधित्यका
विमुख	उन्मुख
निम्न	उच्च
निरुत्साह	उत्साह
उद्धत	विनीत
उदयाचल	अस्ताचल
उर्ध्व	अध, अधर

"ए"

एकता	अनेकता
एकतन्त्र	बहुतन्त्र
एकाकी	समग्र
एकल	सकल
एकत्र	विकीर्ण
एकाधिकार	सर्वाधिकार
एकाग्र	चंचल

"ऐ"

ऐक्य	अनैक्य
ऐश्वर्य	अनैश्वर्य, दारिद्र्य
ऐच्छिक	अनिवार्य
ऐतिहासिक	अनैतिहासिक

"ओ", "औ"

ओजस्वी	निस्तेज
औपचारिक	अनौपचारिक
औचित्य	अनौचित्य
औदार्य	अनौदार्य

"ऋ"

ऋजु	वक्र
ऋषि	संसारी
ऋत	अनृत

"क"

कटु	मधुर
कड़ा	नर्म
कपटी	निष्कपट
कदाचार	सदाचार
कुख्यात	विख्यात
कुमार्ग	सुमार्ग
कुप्रबन्ध	सुप्रबन्ध
कोमल	कठोर
क्रम	व्यतिक्रम
कृतज्ञ	कृतघ्न
कृश	स्थूल
कृपा	कोप
काला	गोरा, सफेद
कारण	अकारण

दुष्ट	भद्र, साधु
दुर्बल	सबल
दुष्प्राय	सुप्राप्य
दैत्य	देव
द्वन्द	निर्द्वंद

"ध"

धनी	निर्धन
धर्म	अधर्म
धवल	कृष्ण
ध्वंस	निर्माण
धनात्मक	ऋणात्मक
धनाढ्य	निर्धन
धीर	अधीर
धैर्य	अधैर्य
धूप	छाया
धृष्ट	विनीत

"न"

नकद	उधार
नख	शिख
नत	उन्नत
नमक हराम	नमक हलाल
नरक	स्वर्ग
नवीन	प्राचीन
नश्वर	शाश्वत
नागरिक	ग्रामीण
निष्काम	साकाम
निषीद्ध	विहित,उचित
निश्चल	चंचल
निष्फल	सफल
निर्लज्ज	सलज्ज
नीरस	सरस
निश्चय	अनिश्चय,
संदेह	असंदेह
नूतन	पुरातन
न्यून	न्यूनतम
अधिक	अधिकतम
नैतिक	अनैतिक
नैसर्गिक	कृत्रिम

"प"

पठित	अपठित
पतन	उत्थान
परा	अपरा
परुष	कोमल
परतंत्र	स्वतंत्र
परकीय	स्वकीय
पराधीन	स्वाधीन
पश्चात	पूर्व
पवित्र	अपवित्र
पतिव्रता	कुलटा
परितोष	दंड़
पदोन्नत	पदावनत
पार	अपार
पालक	घालक
पाठ्य	अपाठ्य
पात्र	अपात्र, कुपात्र
पावन	अपावन
पाप	पुण्य
प्रवेश	निर्गम
प्रजातंत्र	राजतन्त्र
प्रतीची	प्राची
प्रमुख	सामान्य
प्रशंसा	निंदा
प्रसन्न	अप्रसन्न
प्रसारण	संकोचन
प्रसाद	विषाद
प्रश्न	उत्तर
प्रात	सांय
प्राचीन	अर्वाचीन
प्राची	प्रतीची
प्राकृतिक	अप्राकृतिक
प्रेम	घ्रणा

"फ"

फल	निष्फल
फूल	कांटा
फैलना	सिकुड़ना

"ब"

बद्ध	मुक्त

अध्याय – 15

पल्लवन

भाव पल्लवन का अर्थ है- 'किसी भाव का विस्तार करना'। इसमें किसी उक्ति, वाक्य, सूक्ति, कहावत, लोकोक्ति आदि के अर्थ को विस्तार से प्रस्तुत किया जाता है। विस्तार की आवश्यकता तभी होती है, जब मूल भाव संक्षिप्त, सघन या जटिल हो। भाषा के प्रयोग में कई बार ऐसी स्थितियां आती है। जब हमें किसी उक्ति में निहित भावों को स्पष्ट करना पड़ता है। इसी को भाव-पल्लवन कहते हैं ।

पल्लवन के कुछ नियम –

पल्लवन के लिए मूल अवतरण के उक्ति, वाक्य, सूक्ति, लोकोक्ति तथा कहावत को ध्यानपूर्वक पढ़े ताकि मूल के सम्पूर्ण भाव अच्छी तरह समझ में आ जाए ।

मूल विचार अथवा भाव के नीचे दबे अन्य विचारों को समझने का प्रयत्न करें.

- प्रधान और अप्रधान विचारों को समझ लेने के बाद एक-एक कर सभी स्थापित विचारों को एक-एक अनुच्छेद में लिखना आरंभ कीजिए ताकि कोई भी भाव तथा विचार छूटने न पाए
- अर्थ तथा विचार का विस्तार करते समय उसकी दृढ़ता में जहाँ-तहाँ ऊपर से कुछ उदाहरण और वास्तविक घटना भी दिये जा सकते हैं ।
- पल्लवन के लेखन में प्रसंग के विरुद्ध बातों का अनावश्यक विस्तार या वर्णन बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए ।
- पल्लवन में लेखक को प्रधान और अप्रधान भाव या विचार की टीका – टिप्पणी और विवेचना नहीं करनी चाहिए। इसमें मूल लेखक के मनोभावों का ही विस्तार और तत्वसंधान होना चाहिए ।
- भाव और भाषा की प्रकाशन में पूरी सरलता, मौलिकता और स्पष्टता होनी चाहिए एवं वाक्य छोटे-छोटे और भाषा अत्यन्त सरल होनी चाहिए।
- पल्लवन की रचना हर परिस्थिति में अन्यपुरुष में होना चाहिए।
- पल्लवन **व्यास शैली** की होनी चाहिए ना की **समास शैली** में अर्थात इसमें बातों को विस्तार से लिखने का अभ्यास किया जाना चाहिए ।

शैली किसे कहते हैं ?

विचारों तथा भावों का उचित संग्रह कर उस विषय की अभिव्यक्ति को सुंदर एवं प्रभावपूर्ण प्रस्तुत करना ही शैली कहलाता है।

- **व्यास शैली** – व्यास शैली में पहले भाव को विस्तार से लिखा जाता है तथा अंत में उसको सूत्र रूप में संग्रह कर दिया जाता है। सरल भाषा में कहे तो किसी प्रशिक्षक के भांति विस्तारपूर्वक बात समझाई जाती है और पाठक के सामने प्रस्तुत किया जाता है।
- **समास शैली**– यह शैली में सहज, कठिन, दुरुह, संधि व समास पदों से सम्मिलित भाषा का प्रयोग किया जाता है, मिश्र वाक्यों से युक्त जटिल भाषा में पहले महत्त्वपूर्ण व सूत्र रूप में बात कहकर उसका विस्तार किया जाता है।

पल्लवन के कुछ उदाहरण

1. **मूल कथन – "हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नही."**

पल्लवन – हर एक व्यक्ति अपनी जन्मभूमि और अपने देश से उसी प्रकार स्नेह रखता है जिस प्रकार वह माता – पिता के प्रति श्रद्धा तथा स्नेह रखता है। हर एक व्यक्ति के हृदय में अपने देश के प्रति अपनापन की भावना रहती है । इसे ही देशप्रेम या देशभक्ति कहा जाता है । जो व्यक्ति अपने देश से प्रेम नहीं करता है, वह पत्थर दिल का होता है क्योंकि उसमें अपनेपन की भावना की कमी रहती है ।

2. **मूल कथन – "नर और नारी जन्मते और मरते हैं, परन्तु राष्ट्र सदा अमर रहता है."**

पल्लवन – संसार में अगणित नर तथा नारियों का जन्म प्रत्येक क्षण होता रहता है और हर क्षण मृत्यु भी होती है । मनुष्य के साथ जीना – मरना सदा लगा रहता है। यह निश्चित है की जन्म होता है तो मृत्यु भी होगी । परंतु राष्ट्र हमेशा अमर है इसकी आत्मा भी, राष्ट्र मनुष्य की तरह जीता या मरता नहीं है । व्यक्तियों के मरने से राष्ट्र नहीं मरता, जब तक राष्ट्र की अंतरंग एकता बहुत मजबूत रहती है उसपर कोई भी बाहरी शक्ति उँगली उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता उसका अमरत्व बना रहता है । अतः नर-नारी के जनम- मरण पर भी राष्ट्र अमर है बल्कि राष्ट्र की जो संस्कृति और राष्ट्रीयता है वह सारे राष्ट्र के नागरिकों के धर्म परिवर्तन तक कर लेने पर वही रहती है बदलती नहीं ।

3. **बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताय ।**

पल्लवन – कोई भी काम बिना सोचे समझे नहीं करना चाहिए । विचार के अभाव में कार्य को सही दिशा नहीं मिल पाती है । विचार करने से कार्य का उद्देश्य सुनिश्चित हो जाता है । इससे कार्य-संबंधी मजबूत एवं कमज़ोर पक्ष स्पष्ट हो जाते हैं। फलत : कार्य की एक रूपरेखा बन जाती है, जिससे काम करना आसान हो जाता है । कार्य की सफलता की संभावना भी प्रबल हो जाती है । अतः कोई निर्णय करने के पहले खूब विचार-विमर्श कर लेना चाहिए, जिससे इस निर्णय के प्रभाव को समझा जा सके । जो व्यक्ति उचित-अनुचित का विचार कर किसी निष्कर्ष पर पहुँचता है, वह अपने निर्णय से संतुष्ट रहता है । इसके विपरीत किसी उत्तेजना या गुस्से में लिये गए निर्णय बाद में पश्चाताप का कारण बनते हैं । इसी तरह बिना विचारे जब किसी काम को किया जाता है तो जानकारी के अभाव में अक्सर उसमें असफलता हाथ लगती है तथा अंततः पछताना ही पड़ता है ।

4. **जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि ।**

अध्याय – 16

निबंध लेखन

निबंध के 4 अंग होते हैं

1. **शीर्षक** : निबंध में हमेशा शीर्षक आकर्षक होना जरुरी है। शीर्षक पढ़ने से लोगों में उत्सुकता ज्यादा होती है।
2. **प्रस्तावना**: निबंध में सबसे श्रेष्ठ प्रस्तावना होती है, भूमिका नाम से भी इसे जाना जाता है । निबंध की शुरुआत में हमें किसी भी प्रकार की स्तुति , श्लोक या उदाहरण से करते हैं तो उसका अलग ही प्रभाव पड़ता है।
3. **विषय विस्तार** – निबंध में विषय विस्तार का सर्व प्रमुख अंश होता है, इसके अंदर तीन से चार अनुच्छेदों को अलग-अलग पहलुओं पर विचार प्रकट किया जा सकता है। निबंध लेखन में इसका संतुलन होना बहुत ही आवश्यक है। विषय विस्तार में निबंधकार अपने दृष्टिकोण को प्रकट करते हुए बता सकता है ।
4. **उप संहार** – उप संहार को निबंध में सबसे अंत में लिखा जाता है। पूरे निबंध में लिखी गई बातों को
5. हम एक छोटे से अनुच्छेद में बता सकते हैं। इसके अंदर हम संदेश , उपदेश , विचारों या कविता की पंक्ति के माध्यम से भी निबंध को समाप्त कर सकते हैं ।

निबंध के प्रकार

निबंध तीन प्रकार के होते हैं विषय के अनुसार

1. **वर्णनात्मक** – सजीव या निर्जीव पदार्थ के बारे में जब हम निबंध लेखन करते हैं तब उसे वर्णनात्मक निबंध कहते हैं। यह निबंध लेखन स्थान , परिस्थिति , व्यक्ति आदि के आधार पर निबंध लिखा लिखा जाता है ।

- **प्राणी**

1. **श्रेणी**
2. **प्राप्ति स्थान**
3. **आकार प्रकार**
4. **स्वभाव**
5. **विचित्रता**
6. **उपसंहार**

- **मनुष्य**

1. **परिचय**
2. **प्राचीन इतिहास**
3. **वंश परंपरा**
4. **भाषा और धर्म**
5. **सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन**

- **स्थान**

1. **अवस्थिति**
2. **नामकरण**
3. **इतिहास**
4. **जलवायु**
5. **शिल्प**
6. **व्यापार**
7. **जाति धर्म**
8. **दर्शनीय स्थान**
9. **उप संहार**

2.विवरणात्मक – ऐतिहासिक , पौराणिक या फिर आकस्मिक घटनाओं पर जब हम निबंध लेखन लिखते हैं उसे विवरणात्मक निबंध कहते हैं । यह निबंध लेखन यात्रा , मैच , ऋतु आदि पर लिख सकते हैं।

- **ऐतिहासिक**

1. **घटना का समय और स्थान**
2. **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**
3. **कारण और फलाफल**
4. **इष्ट अनिष्ट और मंतव्य**

- **आकस्मिक घटना**

1. **परिचय**
2. **तारीख, स्थान और कारण**
3. **विवरण और अंत**
4. **फलाफल**
5. **व्यक्ति और समाज**
6. **कैसा प्रभाव हुआ**
7. **विचारात्मक**

3. विचारात्मक निबंध: गुण , दोष , या धर्म आदि पर निबंध लेखन लिखा जाता है उसे विचारात्मक निबंध कहता है। या निबंध में किसी भी प्रकार की देखी गई यह सुनी गई बातों का वर्णन नहीं किया जा सकता। इसमें केवल कल्पना और चिंतन शक्ति की गई बातें लिख सकते हैं।

- अर्थ, परिभाषा ,भूमिका
- सार्वजनिक या सामाजिक, स्वाभाविक, कारण
- तुलना
- हानि और लाभ
- प्रमाण
- उप संहार

निबंध लिखते समय नीचे गई बातों का ध्यान में रखें

- निबंध में विषय पर पूरा ज्ञान होना चाहिए
- अलग-अलग प्रकार के अनुच्छेद को एक दूसरे के साथ जुड़े होना चाहिए

Chapter - 2

Preposition

Preposition means **pre + position**.
Here, "**pre**" means **before**, and "**position**" means **place**. Therefore, a preposition is a word that is used before a noun or pronoun to show the relationship of the noun or pronoun to other words in the sentence.
A preposition is a word used before a noun or pronoun to show its relation with the other words of the sentence.

Example:-
1. The book is **on** the table.
2. The pen is **in** the inkpot
3. The cat is **under** the table.

The words **on, in, and under** are used before the phrases **the table, the inkpot,** and **the table,** respectively. These prepositions show the relationship with other words in the sentence, such as **the book, the pen, and the cat**. Therefore, **on, in, and under** are prepositions.

Correct Use of Prepositions:-

(A) Use of 'At':-

- **Rule (1):-**The preposition "at" is used before the names of smaller places to mean "in." For example:
My brother lives at Jajuar. (village)
I live in Musallahpur hat. (Colony)

- **Rule (2)** :- The preposition "at" is used after the words given below to express the meaning of "target."

For example:

shout at	grumble at	shoot at
laugh at	mock at	bite at
look at	kick at	aim at smile at
growl at		

- **Rule (3):-**The preposition "at" is used to express time in the sense of "on." For example:
He will reach at 5 a.m.
He came at 6 O' clock

- **Rule (4)** :-The preposition "at" is used before the words given below. For example:

At the station	At page 50
At a concert	At school
At the airport	At a match
At the bottom	At college
At the theatre	At home
At a lecture	At a concert
At à conference	At the top
At the bus stop	At the bridge
At the bus stop	At university
At the platform	

- **Rule (5)** : The preposition "at" is used before time-indicating words.
At night At noon At dawn
At dusk At midnight At afternoon
At daybreak At twilight

- **Rule (6)** : The preposition "at" is used before the following words. For example:
At this moment At bed time
At this hour At Christmas
At Easter

- **Rule (7)** : The preposition "at" is used before words that express price, rate, or speed. For example:
Milk sells at Rs. 22/- a litre. (rate)
He got that book at Rs. 50. (price)
The motorcycle is running at eighty kilometers an hour. (speed)

- **Rule (8)** : The preposition "at" is used to express temporary actions. For example:
He is at work. means -He is working now.
She is at play. means—She is playing now.

- **Rule (9)** : The preposition "at" is used before words that express age and stage. For example:
My grandfather died at the age of sixty.
I left college at twenty five.

(B) Use of 'In' :-

- **Rule (1)** : The preposition "in" is used before the names of larger places, such as countries, cities, states, continents, and metropolitan areas. For example:
We live in India. (country)
India is in Asia. (continent)
She lived in Uttar Pradesh. (state)
Mr. Thakur lives in Patna. (city)
My father-in-law lives in Mumbai. (metropolitan area)

➢ **Rule (2)** : The preposition "in" is used in the following phrases. For example:
In the night
In the evening
In the morning
In the afternoon

Note: There is a difference between using "in the night" and "at night."

Note : "In the night" is used to refer to "a specific night," while "at night" is used to refer to "any night."

➢ **Rule (3)** : The preposition "in" is used before the following words to mean "inside" or "within." For example:

In the world	In a newspaper
In a queue	In a city
In the sky	In a street
In a village	In the house
In a letter	In the room
In a town	In hospital
In the bus	In prison
In church	In the rain

Look at these sentences.
We live in the world.
In the bag
He is in the room.

➢ **Rule (4)** : The preposition "in" is used to express permanent actions. For example:
His brother is in the Army.
He is in the Navy.
I am in education.
He is in politics.

➢ **Rule (5)** : The preposition "in" is used before words that express a period of time. For example,

Before the names of months:

In a week	In January
In this week	In February

Before the names of seasons:

In this month	In this season
In summer	In spring
In winter	In autumn

Before the names of years:

In 1999	In the year of 1942
In 2001	In the year of 1993

Before the names of centuries:
In 1947 In this century
In the eighteenth century
In the sixteenth century

Before the names of ages:
In the Victorian age
In the Elizabethan age

➢ **Rule (6)** : The preposition "in" is used before A/An + car/taxi/jeep. For example:
He goes to college in a car. (√)
She went to school in a jeep. (√)
Her lover goes to the office in a taxi. (√)

➢ **Rule (7)** : The preposition "in" is used before possessive adjectives + car/taxi/jeep. For example:
He is sitting **in** his car.

(C) Use of 'Into' :-

➢ **Rule (1)** : "Into" is used to express the idea of motion, inside, or towards the inside of something. For example:
The frog fell **into** the well.

➢ **Rule (2)** : "Into" is used to indicate a change from one medium to another or from one state to another. For example:
Translate **into** English.
Milk turns **into** curd.

➢ **Rule (3)** : "Into" is also used to mean "of". For example:
The police inspector enquired into the case.
That old man has insight into man's character.

➢ **Rule (4)** : When "into" is used after verbs, its meaning changes. For example:
- Break into = to forcefully enter
- Do into = to translate
- Eat into = to destroy
- Let into = to allow entry
- Look into = to investigate
- See into = to consider
- Turn into = to transform, to change

(D) Use of 'On' :-

➢ **Rule (1):** "On" is used to express the idea of "touching" in the sense of "at home." For example:
There are two books **on** the table.

➢ **Rule (9)** : "By" is used to mean "by way of" or "through."

For example:

By air
By rail
By sea
By road
By underground

➢ **Rule (10)** : "By" is also used in phrases.

For example:

by chance
by heart
by force
by God
by two years
by myself
by the neck
by mistake

(P) Use of 'of' :-

➢ **Rule (1)**: "Of" is used to express the sense of "from" in terms of cause or reason.

For example:

She died of fever.
He died of malaria.

Note :

(i) If a person dies from illness, hunger, thirst, grief, or shame, the preposition "of" is used after "die," not "from," "with," or "by."

For example:

He died of grief. (√)
He died from grief. (X)

(ii) If a person dies from a wound, overeating, overdrinking, or food poisoning, the preposition "from" is used after "die," not "of," "with," "by," or "for."

For example:

He died from a wound. (√)
He died of a wound. (X)

(iii) If a person dies by suicide or violence, the preposition "by" is used after "die," not "of," "with," "from," or "for."

For example:

He died by violence. (√)
He died of violence. (X)

(iv) If a person dies through negligence, the preposition "through" is used after "die," not any other prepositions.

For example:-

His grandfather died through neglect. (√)
His grandfather died from neglect. (x)
His grandfather died of neglect. (x)

(v) If a person dies for their country or for their beliefs, the preposition "for" is used after "die," not "from," "of," "with," "by," or "through."

For example:

He died for his country. (√)
He died of his country. (x)

(vi) If a person dies in the battlefield or in bed, the preposition "in" is used after "die," not any other prepositions.

For example:

He died in battle.
He died into battle. (x)

Note: (i) "Die in harness" is used to mean "to die while still working" or "to die in the line of duty."

For example:

Ram Lakhanbabu died in harness.

(ii) When "die" is used to mean "to come to an end" or "to become extinct," the preposition "with" is used after it.

For example:

Die with somebody

Look at these sentences:-

For example:

She died with her lover. (√)
She died of her lover. (X)

(iii) After "cause," the preposition "of" is used, and after "reason," the preposition "for" is used.

For example:

What is the cause of murder ? (√)
What is the cause for murder ? (X)

➢ **Rule (2)** : The preposition "of" is used to express a sense of relationship or possession, meaning "of."

For example:

Mr. A.K. Thakur is the son of Shree Maneshwar Thakur.
This is the publication of Sudhirjee.

144.	A place where weapons and ammunitions are stored	Arsenal
145.	To express your thoughts clearly in words	Articulate
146.	One who does not believe in God	Atheist
147.	A record of one's own life written by oneself	Autobiograp hy
148.	A large building/group of buildings used to house soldiers	Barracks
149.	A list of the books referred to in a scholarly work	Bibliograph y
150.	A person who is intolerant towards those holding different opinions	Bigot
151.	A person who is fluent in two languages	Bilingual
152.	An arrangement of flowers that is usually given as a present	Bouquet
153.	Affecting or relating to cows	Bovine
154.	A girl with brown hair	Brunette
155.	Hole excavated by an animal as dwelling	Burrow
156.	A person who is skilled at writing beautifully	Calligrapher
157.	A list of names or things in a special order	Catalogue
158.	The state of living unmarried	Celibacy
159.	A small building or room used for Christian worship in a school, prison hospital or large private house	Chapel
160.	A political leader appealing to popular desires and prejudices	Demagogue
161.	One who does or studies without seriousness	Dilettante
162.	Irresistible craving for alcoholic drinks	Dipsomania
163.	A man with abnormal habits	Eccentric
164.	One who thinks or speaks too much of himself	Egoist
165.	Identification with another person's feelings	Empathy
166.	Lasting for a very short time	Ephemeral
167.	A mild or indirect expression substituted for an offensive or harsh one	Euphemism
168.	A story in which animals or objects speak and give wholesome moral lessons	Fable
169.	Wild imagination	Fantasy
170.	Submission to all that happens as inevitable	Fatalism
171.	One who believes that everything is predestined	Fatalist
172.	One who believes in offering equal opportunities to women in all spheres	Feminist
173.	The plant and vegetation of a region	Flora
174.	A person who sells and arranges cut flowers	Florist

Chapter – 1

Statistical Analysis, Diagrams, and Graphs

The purpose of graphs is to represent numerical facts through pictures, making them easier and quicker to understand. To solve such questions, you should first learn about:

- Percentage
- Average
- Ratio
- Profit and Loss

Without a good understanding of these topics, solving statistical questions becomes nearly impossible. Plan your study hours and dedicate at least one session each day for practicing statistics.

Data:

Data refers to facts that possess specific qualities and are presented in numerical form. It is generally displayed in two forms—

qualitative and quantitative.

Representation of Data:

There are three primary methods for presenting data:

1. **Tabular Representation**
2. **Diagrammatic Representation**
3. **Graphic Representation**

- **Data Interpretation:**

Data presentation provides a detailed numerical analysis of facts, making comparisons easier. Collected data is often disorganized and complex; tabulation simplifies this before presentation, enhancing clarity.

Various types of graphs are used to represent data from different fields. These graphs include:

Tabular DI:

Tabular DI is one of the basic forms of representing data. It also comes in two types: one where all data is provided.

Stores	Total ball point pens sold	Ratio of ball point pens to gel pens sold
A	108	9 : 5
B	240	6 : 5
C	200	4 : 1
D	150	3 : 1
E	120	3 : 2

Missing Table DI

Missing Table DI is when some data is missing, and students need to find that missing data. Here's an example:

Example Table:

Person / Days	A	B	C	D	E
Monday	420	440	240	-	280
Tuesday	360	-	520	210	410
Wednesday	280	240	410	425	-
Thursday	540	510	-	630	160
Friday	-	460	350	510	400

- **Bar Graph**

A bar graph is another way to analyze data. It uses bars of different sizes to show the data. Each bar on the graph represents the amount of different types of data. You can practice data analysis with a bar graph using the example given below.

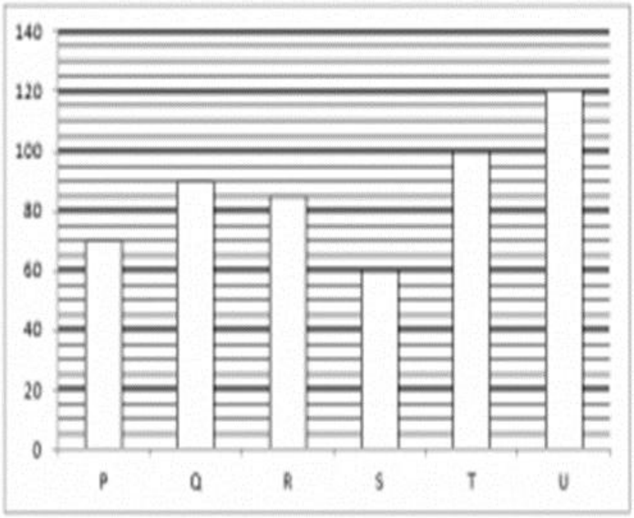

If the percentage of students who failed in school P is 65%, then the number of students who failed from school P is what percent of the number of students who passed from school T.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

If the ratio between the total number of students who passed and failed from all schools is 7 : 3, then find the total number of students who failed from all schools.

The total number of students who passed from schools P, Q, U and T together is how much more than that from schools R and S.

The number of students who failed from school U is 15 more than that from school R. If the ratio of the total number of students of school U to that of school R is 3 : 2, then find the total number of students from both schools together

Q. The table given below shows the data related to the number of applications received by a university for master's program for two subjects (P and Q) during 5 years

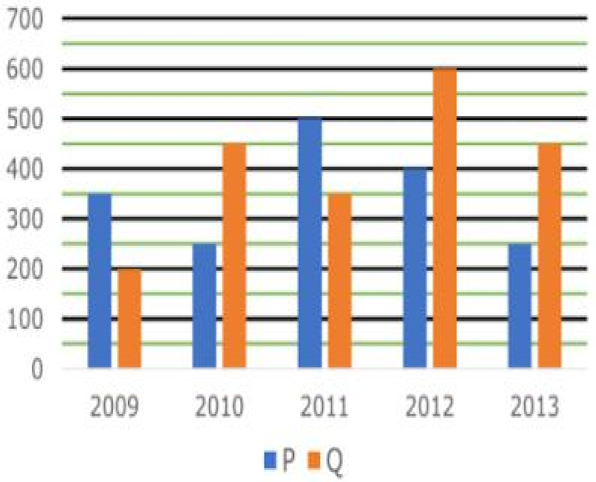

1. In 2010, only 40% of the total applications received for subjects P and Q were accepted. What was the total number of accepted applications for subjects P and Q in 2010?

a. 121

b. 132

c. 280

d. 340

e. 270

Answer: (c)

The total number of accepted applications for subjects P and Q in 2010 = 40% of (250 + 450) = (40/100) × 700 = 280

2. In 2009, 30% of the applications received for subject P and 40% of the applications received for subject Q were from international students. What was the total number of international applications for subjects P and Q in 2009?

a. 185

b. 265

c. 180

d. 253

e. 195

Answer: (a) 185

$$\text{Number of international applications received for subjects P and Q in 2009} = \frac{350 \times 30}{100} + \frac{200 \times 40}{100}$$

$$= 105 + 80 = 185$$

3. If the ratio of the total number of applications received for subjects P and Q in 2013 and 2014 is 5:6, then what was the total number of applications received for subjects P and Q in 2014?

a. 930

b. 684

c. 835

d. 745

e. 840

Answer: (e) 840

The total number of applications received for subjects P and Q in 2013 = 250 + 450 = 700

The total number of applications received for both subjects in 2014 =

$\frac{6}{5} \times 700 = 840$

INFUSION NOTES
ONLY THE BEST WILL DO

4. What is the average number of applications received for subject P in 2010, 2012, and 2013?

a. 400

b. 520

c. 300

d. 450

e. 560

Time and work

Instructions: Read the given table chart carefully and answer the questions related to it

Person	No. of days they worked	Percentage of work done to complete the project
A	8	20%
B	3	10%
C	6	25%
D	15	30%
E	6	15%

Q.1 A and B start working After 10 days both leave and C starts working He finishes his part of the work F completes the remaining work in 16 days In how many days will F finish the whole work.

(a) 96

(b) 48

(c) 24

(d) None of these

Ans (b) 96

A can complete 20% of the work in 8 days.

So, to finish 100% of the work, he will take:

$\frac{100\times8}{20} = 40$ days.

B can complete 10% of the work in 3 days.

So, to finish 100% of the work, he will take:

$\frac{100\times3}{10} = 30$ days.

A and B's Work Together:

- A's work in one day = $\frac{1}{40}$
- B's work in one day = $\frac{1}{30}$

To find their combined work in one day:

$$A + B = \frac{1}{40} + \frac{1}{30}$$

Finding a common base (LCM = 120):

$$= \frac{3}{120} + \frac{4}{120} = \frac{7}{120}$$

Work Done in 10 Days:

In 10 days, they will complete:

$$10 \times \frac{7}{120} = \frac{70}{120} = \frac{7}{12} \text{ of the work.}$$

Q : d

If a person aged 30 years is insured for Rs 1000 instead of a person aged 23 years, then by what percentage the premium is increased?

Ans.- Premium of a person of 23 years of age = 44

Premium of a person of 30 years of age = 46.5

% of increasing = 46.5 – 44 ÷ 44 × 100

= 2.5 ÷ 44 × 100

= 5.68%

Q. The graph given here shows a car following a linear path with uniform speed. Study the graph and answer the questions.

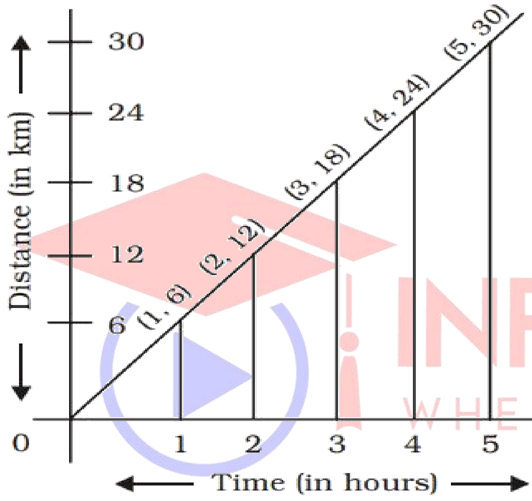

Q : What is the speed of the car?

Ans. car covers 6km in 1hour or 12km in 2hour

Then speed = distance ÷ time

Speed of car = 6 ÷ 1 km/h or 12 ÷ 2 km/h

= 6 km/h

Q : The distance covered by the car in 4.5 hours is

Ans. because car covers distance in 1hour = 6km

Then it will cover in 4.5 hou r= 4.5 × 6 = 27km

Q : The car covers a distance in 15 km

Ans. because car covers distance in 1hour = 6km

Then time taken by car to cover 15km = 15 ÷ 6

= 2.5 hour

Q The graph given below shows the daily income of 50 workers in a factory. Study the graph and answer the questions

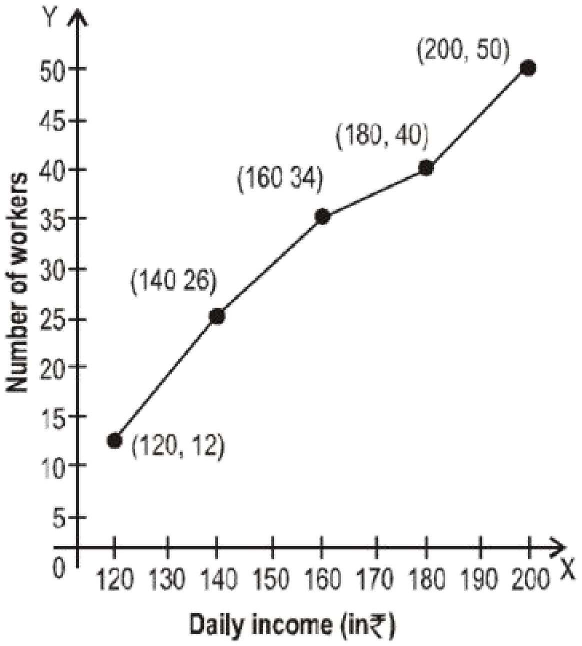

Q : What percentage of factory workers earn between 150 and 180 ?

Ans. 16 %

Q : What is the average wage in the factory?

Solution- Average Wage = 120 + 130 + 140 + 150 + 160 + 170 + 180 + 190 + 200 ÷ 9

= 1440 ÷ 9

= 160

Q Study the following bar-graph and answer the question given below

Production of C (in 10000 tons) by a company over the years.

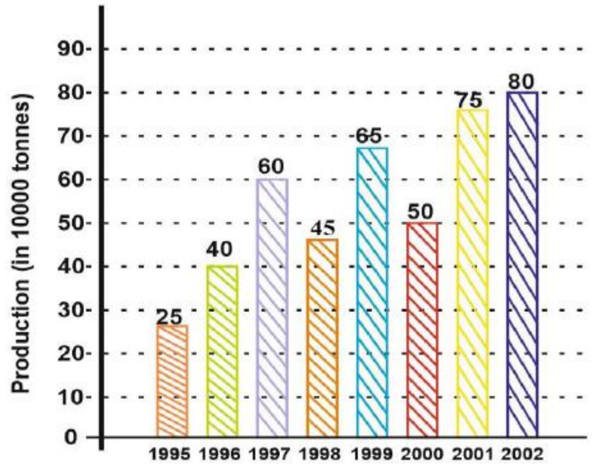

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Dear Aspirants, here are the our results in differents exams (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/ZgzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

whatsapp -https://wa.link/dx3m7n 1 web.- https://shorturl.at/XiCHA

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO